बी स्कूल का नया मॉडल देगा आईआईएम आई

आईपीएम को पीजीपी कोर्स में मर्ज करने की तैयारी

सौरभ पांडे
indoreplus@patrika.com

इंदौर. देश के सभी आईआईएम के बीच अपने नए कोर्स आईपीएम के जरिए अलग पहचान बनाने वाले आईआईएम इंदौर नई पहल करने जा रहा है। आईआईएम आई आईपीएम और पीजीपी कोर्स में मर्ज करने के बारे में विचार कर रहा है। यह कहना है आईआईएम इंदौर के डॉयरेक्टर ऋषिकेश टी कृष्णन का।

पत्रिका प्लस से हुई विशेष बातचीत में उन्होंने कहा आईपीएम कोर्स में अलग अलग स्ट्रीम के 12वीं पास स्टूडेंट्स को लिया जाता है वहीं पीजीपी में आने वाले 75 परसेंट से अधिक स्टूडेंट्स इंजीनीयरिंग फील्ड के होते हैं। आईआईएम में साल भर इस प्रकार की गतविधि चलती है जिसमें स्टूडेंट्स को टीम बनाकर काम करना पड़ता है। ऐसे में दोनों कोर्स को इंटीग्रेटेड करने से दोनों तरह के स्टूडेंट्स एक दूसरे के सोचने के तरीकों से अच्छी तरह से समझ पाएंगे।

आईआईएम इंदौर आईपीएम कोर्स के स्टूडेंट्स को पीजीपी वाले स्टूडेंट्स के साथ में पढ़ाता है तो पूरे देश को बी स्कूल का एक नया मॉडल प्रदान करेगा।

हर स्ट्रीम से हों मैनेजर्स

दोनों कोर्स को मर्ज करने के बाद दो साल बाद आईआईएम से जो मैनेजर्स निकलेंगे उनमे सभी बैकग्राउंड के स्टूडेंट्स शामिल होंगे। आज सभी आईआईएम इसी प्रयास में लगे हैं की वह ऐसे मैनेजर्स की बैच तैयार कर सके जिसमें सभी स्ट्रीम के स्टूडेंट्स शामिल हों। अभी जो बैच निकल रही है और स्टडी कर रही उनमें इंजीनियर्स की तादात ज्यादा है। ऐसे में आईआईएम इंदौर आईपीएम और पीजीपी कोर्स को मर्ज कर अलग अलग स्ट्रीम के मैनेजर्स क्रिएट करने की कोशिश कर रहा है जो इंडस्ट्री को भी पसंद आएगी।

2-3 महीने में होगा फैसला

कृष्णन ने कहा कोर्स मर्ज करने के इस मसले पर विभिन्न विशेषज्ञों से बात चल रही है। मेरी अपनी राय दोनों कोर्स को कम्बाइन करने की है। ऐसा करने से पीजीपी और आईपीएम दोनों कोर्सेज के स्टूडेंट्स को काफी फायदा मिलने वाला है।

हालांकि यह मेरी पसनर्ल व्यू है लोगों को इससे आपत्ति हो सकती है पर मुझे ऐसा लगता है कि दोनों कोर्स को कम्बाइन करने से जो बेनीफीट्स होंगे उसकी तुलना में नुकसान को नजरअंदाज किया जा सकता है। अभी यह मसला प्लानिंग स्टेज में है इस बारे में कोई भी फैसला लेने से पहले फैकल्टी से बात करी जाएगी और सभी प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। हमारे पास इस बारे में फैसला लेने के लिए अभी 2 से 3 महीने का समय है।

ऋषिकेश टी. कृष्णन

स्टूडेंट्स में उत्सुकता

इस बात को को लेकर आईपीएम थर्ड इयर के लास्ट टर्म के स्टूडेंट्स काफी उत्सुक हैं। जब वह समर ट्रेनिंग के बाद लौटेंगे तो उन्हें कैट क्लियर करके आए स्टूडेंट्स के साथ पढ़ाई करने का मौका मिलेगा या उनकी अलग से क्लास लगेगी।

इसलिए शुरू किया था आईपीएम

आईपीएम कोर्स की शुरुआत 2011 में ऐसे स्टूडेंट्स के लिए की गई थी जो ग्रेजुएशन में इंजीनीयरिंग या कोई अन्य कोर्स का चुनाव सिर्फ इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें बाद में आईआईएम से एमबीए करना होता था। इसलिए आईआईएम इंदौर ने आईपीएम कोर्स के जरिए स्टूडेंट्स को मौका दिया था जिससे वह 12वीं के बाद सीधे मैनेजर्स बनने की ओर कदम रख सकें।

Patrika, February 19, 2014, Page- 15